एम पी एस

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(राजनीति विज्ञान)

सत्रीय कार्य
(एम ए द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम)
जुलाई 2022 और जनवरी 2023 सत्रों के लिए

समाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढी, नई दिल्ली – 110068

वैकल्पिक पाठ्यक्रम : एम. ए. द्वितीय वर्ष (राजनीति विज्ञान)

प्रिय विद्यार्थियों,

आपको राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम के प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना होगा। प्रत्येक सत्रीय कार्य में वर्णनात्मक एवं संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न विद्यमान हैं। वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न (DCQ) निबंधात्मक प्रकार के उत्तरों के लेखन हेतु बने हैं, जिनमें परिचय तथा निष्कर्ष समाहित होने चाहिए। ये प्रश्न किसी शीर्षक के बारे में आपकी व्यवस्थित समझ, महत्त्वपूर्ण एवं प्रासंगिक तथा सरल तरीके से अपने ज्ञान की व्याख्या क्षमता के परीक्षण के उद्देश्य से बनाए गए हैं। संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न (SCQ) पहले आपसे तर्कों एवं व्याख्याओं के संदर्भ में किसी शीर्षक के विश्लेषण तथा फिर संक्षिप्तता में उत्तर लिखने की अपेक्षा रखते हैं। ये प्रश्न अवधारणाओं, प्रक्रियाओं संबंधी आपकी समझ तथा उनके आलोचनात्मक विश्लेषण की आपकी क्षमता के परीक्षण के लिए बनाए गए हैं।

अपना सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। यह महत्त्वपूर्ण एवं आवश्यक है कि सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर आप अपने शब्दों में हीं दें। आपके उत्तर के शब्दों की सीमा किसी भी श्रेणी के लिए दी गई शब्द सीमा के अनुरूप होनी चाहिए। ध्यान रहे, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लेखनकार्य आपकी लेखन शैली को अधिक बेहतर बनाएगा तथा आपको वार्षिक परीक्षा हेतु तैयार करेगा।

इस लघु पुस्तिका के अंतर्गत एम. ए. राजनीति विज्ञान के द्वितीय वर्ष के सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य सम्मिलित हैं। आपको केवल उन्हीं पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को करना है जिनमें आपका नामांकन हुआ है तथा बाकी को छोड़ दीजिए।

जमा करना:

आपको वार्षिक परीक्षा में शामिल होने के लिए सभी सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा करना होगा। पूरे किए गए सत्रीय कार्य निम्नलिखित समय सारणी के अनुसार जमा करें :

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई, 2022 सत्र के लिए	31 मार्च, 2023	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी, 2023 सत्र के लिए	30 सितम्बर, 2023	

अध्ययन केन्द्र पर जमा किए गए सत्रीय कार्य की प्राप्ति रसीद लेना न भूलें तथा उसे अपने पास सुरक्षित रखें। यदि संभव हो तो पूर्णतः तैयार सत्रीय कार्यों की एक फोटोकॉपी प्रति अपने पास रख लें। सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के बाद अध्ययन केन्द्र द्वारा उसे आपको वापस कर दिया जाएगा। कृपया इसके लिए आप अपनी ओर से भी उन पर जोर डालें। अध्ययन केन्द्र प्रत्येक सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के बाद दिए गए अंकों को नोट करने के बाद उसका रिकार्ड आगे इग्नू, नई दिल्ली के विद्यार्थी मूल्यांकन विभाग [Student Evaluation Division (SED)] के पास भेज देंगें।

सत्रीय कार्य करने के लिए कुछ दिशा–निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार देंगे। निम्नलिखित बिन्दुओं को ध्यान में रखना आपके लिए लाभप्रद होगा।

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें और इकाइयों को ध्यानपूर्वक पढ़ें जिनपर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए कुछ बिन्दु बनाए और उनको तर्क के आधार पर पुनः व्यवस्थित करें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा तैयार करें जिससे आप कुछ बिन्दुओं को चुन सकते हैं और उनको विश्लेषित कर सकते हैं। प्रश्न की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर उचित ध्यान दें:

   यह निश्चित करें कि:

   क) उत्तर तर्क–आधारित और सुसंगत है।

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध है।

   ग) आपकी अपनी अभिव्यक्ति और शैली के अनुसार प्रस्तुत सही है।

3) **प्रस्तुतिः** एक बार जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हैं तो जमा कराने के लिए उसका अंतिम रूपांतरण लिख सकते हैं। **यह आवश्यक है कि सभी** सत्रीय कार्य आपकी अपनी लिखाई में सफाई से लिखे हों। यदि आप चाहते हैं तो मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित कर सकते हैं। यह निश्चित करें कि उत्तर निश्चित शब्द सीमा के अंतर्गत है।

शुभकामनाओं के साथ,

भारत एवं विश्व (एमपीएसई–001)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–001/2022-2023
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. भारत और मध्य एशिया के बीच –ऐतिहासिक संबंधों, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग की व्याख्या कीजिए।

2. दक्षिण–पूर्व एशिया के साथ भारत के संबंधों के विकास का पता लगाइये और इन संबंधों की मुख्य विशेषताओं को बताइये।

3. भारत में मानवाधिकारों के संवर्धन और संरक्षण के लिए, अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानूनों और संयुक्त राष्ट्र की चिंताओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

4. भारत–चीन संबंधों के रूझानों और स्वरूपों का वर्णन कीजिए।

5. भारत की निःशस्त्रीकरण नीति की चुनौतियों और राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसके प्रभाव का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः

6. क) विदेश नीति के नेहरूवादी मॉडल (प्रतिमान) की चुनौतियाँ
   ख) भारत की विदेश नीति व्यवहार में हित समूहों की भूमिका

7. क) भारत और पाकिस्तान के 1998 के परमाणु परीक्षणों के वैश्विक निहितार्थ
   ख) भारतीय विदेश नीति निर्माण में विदेश मंत्रालय की भूमिका

8. क) साम्यवाद के बाद के समाजों में धर्म
   ख) भारत की पश्चिम एशिया नीति

9. क) दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय सहयोग
   ख) भारत और हिंद महासागर रिम(RIM) क्षेत्रीय सहयोग संघ

10. क) आसियानः संगठन और कार्यप्रणाली
    ख) भारत और यूएसए के बीच आर्थिक और रणनीतिक सहयोग

लैटिन अमेरिका में राज्य एवं समाज (एमपीएसई–002)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–002/2022-2023
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. लैटिन अमेरिका में, आयात प्रतिस्थापन औद्योगीकरण की प्रक्रिया का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

2. लैटिन अमेरिका में, चर्च की ऐतिहासिक भूमिका का परीक्षण कीजिए।

3. लैटिन अमेरिका में, लोकतंत्र में परिवर्तन के चक्रीय स्वरूप का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

4. लैटिन अमेरिका की राजनीति में सैन्य हस्तक्षेप के क्या कारण हैं? विस्तापूर्वक वर्णन कीजिए।

5. लैटिन अमेरिका के लिए उपयोगी, विकास के सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः

6. क) लैटिन अमेरिका में नव–उदारवाद का उदय
   ख) लैटिन अमेरिका में क्रांतिकारी आंदोलन

7. क) यूरोप के लिए, खाद्य टोकरी के रूप में, पम्पास का उत्थान और पतन
   ख) लैटिन अमेरिका में क्षेत्रीय एकीकरण

8. क) लैटिन अमेरिका में विकास प्रारूप(मॉडल)
   ख) लैटिन अमेरिकी राजनीति में नए सामाजिक आंदोलन

9. क) त्रिनिदाद में वृक्षारोपण अर्थव्यवस्था
   ख) साइमन बोलिवर (Simon Bolivar)

10. क) निकारागुआ में सैंन्डिनिस्टा (Sandinista) क्रांति
    ख) लैटिन अमेरिका में महिला आंदोलन

पश्चिमी राजनीतिक चिंतन (प्लेटो से मार्क्स तक) (एमपीएसई–003)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–003/2022-2023
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. पश्चिमी राजनीतिक चिंतन के महत्व और प्रासंगिकता पर एक टिप्पणी लिखिए।

2. प्लेटो के राजनीतिक दर्शन का मूल्यांकन कीजिए। पश्चिमी राजनीतिक चिंतन में उनका क्या योगदान था?

3. कानून और राज्य तथा चर्च और राज्य के बीच संबंधों पर सेंट थॉमस एक्विनास के विचारों की व्याख्या कीजिए।

4. राजनीति और सरकार के प्रारूपों पर मैक्यावली के विचारों का विश्लेषण कीजिए।

5. लॉक के राजनीतिक सिद्धांत की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

भाग – 2

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में लधु टिप्पणी लिखिएः

6. क) नागकिक समाज और सामाजिक अनुबंध पर रूसो
   ख) लोकतंत्र और धर्म पर एडमंड बर्क

7. क) इमैनुअल कांट का राजनीतिक दर्शन
   ख) जेरेमी बेंथम और उपयोगितावादी सिद्धांत

8. क) धर्म पर एलेक्सिस डी टॉक्युविले के विचार
   ख) महिलाओं के अधिकारों पर जॉन स्टुअर्ट मिल के विचार

9. क) व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर जॉन स्टुअर्ट मिल के विचार
   ख) हेगेल का ऐतिहासिक दर्शन

10. क) मार्क्स का साम्यवादी समाज का उद्देश्य
    ख) मार्क्स का ऐतिहासिक भौतिकवाद का सिद्धान्त

आधुनिक भारत में सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन (एमपीएसई–004)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–004/2022-2023
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. प्राचीन भारत में राज्य और संप्रभुता की चर्चा कीजिए।

2. प्राच्यवादियों और राष्ट्रवादियों ने, भारत के विचार की कल्पना किस प्रकार की थी? वर्णन कीजिए।

3. दयानंद सरस्वती के धार्मिक–राजनीतिक विचारों पर एक टिप्पणी लिखिए।

4. राष्ट्रवाद पर स्वामी विवेकानंद के विचारों का परीक्षण कीजिए।

5. वी.डी. सावरकर के हिंदू राष्ट्रवाद की मुख्य विशेषताओं का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।

भाग – 2

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिएः

6. क) ज्योतिबा फुले के सामाजिक विचार
   ख) एम ए जिन्ना का द्वि–राष्ट्र सिद्धान्त (टू नेशन थ्योरी)

7. क) ई. वी. रामास्वामी नायकर और द्रविण एकीकरण (मोबिलाइज़ेशन)
   ख) पितृसत्ता पर पंडिता रमाबाई

8. क) गॉधी की सर्वोदय की अवधारणा
   ख) गांधी का ग्राम स्वराज

9. क) संस्कृति पर जवाहरलाल नेहरू के विचार
   ख) सामाजिक न्याय पर डॉ. बी. आर. अम्बेडकर

10. क) राष्ट्रवाद पर रवींद्रनाथ टैगोर के विचार
    ख) एम. एन. रॉय का उग्र मानवतावाद

अफ्रीका में राज्य एवं समाज (एमपीएसई–005)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–005/2022-2023
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. अफ्रीकी महाद्वीप में औपनिवेशिक शासन ने किस प्रकार से, घरेलू और अर्न्तराष्ट्रीय आर्थिक संबंधों को परिवर्तित किया है? समझाइये।

2. वैश्विक राजनीति में अफ्रीकी संघ की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

3. अफ्रीका में विकास के लिए चुनौतियों को परिभाषित कीजिए।

4. अफ्रीका में हिंसा के स्वरूपों और कारणों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

5. अफ्रीका में ब्रिटिश और फ्रांसीसी औपनिवेशिक शासन के स्वरूपों का वर्णन कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) शीत युद्ध के बाद अफ्रीका में शांति अभियान
   ख) दास व्यापार का अन्त

7. क) अफ्रीका में उपनिवेश विरोधी अभियानों की प्रकृति
   ख) अफ्रीका में बहु–दलीय शासनों का उदय

8. क) अफ्रीकी देशों में विकासात्मक प्रक्रियाओं की चुनौतियाँ
   ख) बुरूंडी और रवांडा नृ–जातीय संघर्ष

9. क) अफ्रीका के प्रति भारत की नीति
   ख) अफ्रीका में भारतीय विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI)

10. क) अफ्रीका का ऋण संकट
    ख) अफ्रीका का वैश्वीकरण का अनुभव

शांति और संघर्ष अध्ययन (एमपीएसई–006)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–006/2022-2023
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था के तहत विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के तरीकों का वर्णन कीजिए।

2. बगावत (विद्रोह) क्या है? इसके प्रमुख स्वरूप क्या हैं? विस्तापूर्वक वर्णन कीजिए।

3. वैश्विक स्तर पर शांति आंदोलनों के विकास का पता लगाइये।

4. जैविक और जहरीले हथियार सम्मेलन (BTWC) का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

5. अंतर–सामाजिक संघर्ष के विभिन्न कारणों का वर्णन कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) सीमित युद्ध की अवधारणा
   ख) युद्ध का यथार्थवादी दृष्टिकोण

7. क) शांति बनाये रखना, शांति स्थापना और शांति निर्माण में अंतर बताइए।
   ख) भारत–पाकिस्तान के मध्य विश्वास बहाली के उपाय

8. क) शांति के लिए नारीवादी दृष्टिकोण
   ख) शांति के लिए गांधीवादी दृष्टिकोण की मुख्य विशेषताएं

9. क) परमाणु अप्रसार संधि
   ख) संघर्ष के रोकथाम और समाधान में क्षेत्रीय संगठन की भूमिका

10. क) मानव सुरक्षा की चुनौतियाँ
    ख) भारत और चीन के बीच विश्वास बहाली के उपाय

भारत में सामाजिक आंदोलन एवं राजनीति (एमपीएसई–007)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–007/2022-2023
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. सामाजिक आंदोलनों के अध्ययन के लिए, गांधीवादी दृष्टिकोण की विशेषताओं का परीक्षण कीजिए।

2. भारत में पर्यावरणीय आंदोलनों के मुद्दे और चिंताएं क्या हैं? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. भारत में पिछड़े वर्ग के आंदोलनों के उदय के संदर्भ का वर्णन कीजिए।

4. भारत में जनजातीय आंदोलनों के विकास का पता लगाइये। इस पर केंद्र सरकार की क्या प्रतिक्रिया रही है?

5. दलित राजनीतिकरण का वर्णन करते हुए इसके महत्व को स्पष्ट कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) राज्यपद के लिए आंदोलन
   ख) सापेक्ष क्षरण सिद्धांत

7. क) भारतीय समाज की बदलती प्रकृति
   ख) सामाजिक आंदोलनों का अध्ययन करने के लिए उदार दृष्टिकोण

8. क) मछुआरा ज़न संगठन
   ख) सांप्रदायिक और धार्मिक आंदोलन और उनका प्रभाव

9. क) धर्मनिरपेक्षता के लिए चुनौतियाँ
   ख) राज्य, बाजार और सामाजिक आंदोलनों के बीच संबंध

10. क) वैश्वीकरण का सामाजिक आंदोलनों पर प्रभाव
    ख) भारत में 'आरक्षण' की राजनीति

भारत में राज्यीय राजनीति (एमपीएसई–008)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–008/2022-2023
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. स्वतंत्र भारत में, राज्यपद के दर्जे की मांग में, वृद्धि के कारणों की जांच कीजिए।

2. भारत में भूमि सुधारों का कृषि परिवर्तन पर क्या प्रभाव पड़ा है? चर्चा कीजिए।

3. भारत में औद्योगीकरण और आर्थिक सुधारों के प्रति, राज्यों की प्रतिक्रिया का परीक्षण कीजिए।

4. समकालीन भारतीय राजनीति में, केंद्र–राज्य संबंधों के प्रमुख मुद्दे और रुझान क्या हैं? व्याख्या कीजिए।

5. भारत में नृ–जातीय अल्पसंख्यकों की चुनौतियों की व्याख्या कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) चुनाव आयोग
   ख) भारत में सांप्रदायिक राजनीति का प्रारूप

7. क) श्रमजीवी वर्ग पर निजीकरण का प्रभाव
   ख) भूदान आंदोलन

8. क) स्वायत्तता आंदोलन
   ख) विकास का मतलब अलग–अलग लोगों के लिए अलग–अलग चीजें हैं। उदाहरण दीजिए।

9. क) छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा
   ख) भारत में सीमा विवादों की प्रकृति

10. क) अंतर–राज्यीय विवादों को हल करने के लिए संवैधानिक प्रक्रिया
    ख) भाषाई अल्पसंख्यकों की राजनीति

कनाडा : राजनीति एवं समाज (एमपीएसई–009)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–009/2022-2023
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. कनाडा में लैंगिक(जैंडर) आंदोलन की प्रकृति और विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

2. कनाडा में बहुसंस्कृतिवाद की नीति का आंकलन कीजिए।

3. कनाडा में दल प्रणाली की बुनियादी विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

4. कनाडा में क्यूबेक की अलगाववादी मांग के कारणों की जांच कीजिए।

5. कनाडा के प्रधानमंत्री की शक्तियां और कार्य क्या हैं? वर्णन कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) कनाडा में अधिकारों और स्वतंत्रता के घोषणापत्र की प्रकृति और महत्व
   ख) कनाडा की लोक प्रशासन प्रणाली

7. क) कनाडा में सामाजिक आंदोलनों में, गैर–सरकारी संगठनों की भूमिका
   ख) आदिवासी स्वशासन के प्रति कनाडा की नीति

8. क) कनाडा के आर्थिक विकास का स्वरूप
   ख) कनाडा–भारत संबंधों में प्रमुख मुद्दे

9. क) लोकतांत्रिक राजनीतिक संस्कृति के संदर्भ में, कनाडा में हाउस ऑफ कॉमन्स और सीनेट के बीच संबंध
   ख) कनाडा की नीति निर्माण प्रक्रिया में नागरिक समाज की भूमिका

10. क) सम्पूर्ण क्रांति और क्यूबेक राष्ट्रवाद का उदय
    ख) चीन के साथ, कनाडा के व्यापार और आर्थिक संबंध

विश्व के मामलों में यूरोपियन यूनियन (एमपीएसई–011)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–011/2022-2023
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. यूरोप के एकीकरण में, प्रमुख मील के पत्थरों का परीक्षण कीजिए।

2. यूरोपीय संघ–भारत के संबंधों की प्रकृति का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

3. यूरोपीय एकीकरण के लिए नव–कार्यात्मक दृष्टिकोण की मुख्य विशेषताएं क्या हैं? विस्तापूर्वक वर्णन कीजिए।

4. यूरोपीय संघ–चीन संबंधों में प्रमुख मुद्दों और चुनौतियों की पहचान कीजिए।

5. नव–यथार्थवाद क्या है? नव यथार्थवादी यूरोपीय एकीकरण की व्याख्या कैसे करते हैं? समझाइये।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) यूरोपीय संघ की विकास नीति
   ख) यूरोपीय संघ की पर्यावरण नीति

7. क) यूरोपीय संसद
   ख) यूरोप में क्षेत्रवाद

8. क) यूरोपीय आयोग के कार्य
   ख) यूरोपीय रक्षा और सुरक्षा नीति

9. क) यूरोपीय संघ–अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों की रूपरेखा
   ख) यूरोपीय संघ के साथ भारत के व्यापार और आर्थिक संबंध

10. क) वैश्वीकरण में यूरोपीय संघ की भागीदारी
    ख) मैस्ट्रिच संधि का महत्व

ऑस्ट्रेलिया में राज्य और समाज (एमपीएसई–012)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–012/2022-2023
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. ऑस्ट्रेलिया में बहुसंस्कृतिवाद की प्रमुख विशेषताओं का परीक्षण कीजिए।

2. ऑस्ट्रेलिया में संघवाद की प्रकृति और विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

3. वैश्वीकरण के युग में ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था की क्या भूमिका है? व्याख्या कीजिए।

4. ऑस्ट्रेलिया में दलीय व्यवस्था के विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

5. महिलाओं के मुद्दों पर, ऑस्ट्रेलियाई राज्य की प्रतिक्रिया का विश्लेषण कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) ऑस्ट्रेलियाई संघ की विशेषताएं
   ख) ऑस्ट्रेलिया में स्वदेशी लोग और स्व–निर्णयन

7. क) ऑस्ट्रेलिया में मूल–निवासियों पर ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियां
   ख) ऑस्ट्रेलिया में 1975 का संवैधानिक संकट

8. क) ऑस्ट्रेलिया में पहचान की राजनीति
   ख) ऑस्ट्रेलिया में राष्ट्रवाद और बहुसंस्कृतिवाद के बीच संबंध

9. क) ऑस्ट्रेलिया में दबाव समूहों की भूमिका
   ख) ऑस्ट्रेलिया की परमाणु अप्रसार नीति

10. क) ऑस्ट्रेलियाई संसद में सीनेट की भूमिका
    ख) ऑस्ट्रेलिया की स्वास्थ्यसेवा और शिक्षा नीति

ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति (एमपीएसई–013)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–013/2022-2023
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति के घरेलू स्रोत का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

2. ऑस्ट्रेलिया में विदेश नीति निर्माण प्रक्रिया में, विदेशी मामले और व्यापार विभाग की स्थिति और भूमिका पर चर्चा कीजिए।

3. शीत युद्ध के दौरान ऑस्ट्रेलिया–अमेरिका संबंधों का वर्णन कीजिए।

4. चीन–ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक संबंधों पर एक समीक्षा कीजिए।

5. ऑस्ट्रेलिया–आसियान संबंधों की प्रकृति और विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) ऑस्ट्रेलिया की अप्रवासन नीति का विश्लेषण कीजिए।
   ख) ऑस्ट्रेलिया में पर्यावरणीय अभिकरणों के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

7. क) मानवाधिकारों के प्रति ऑस्ट्रेलिया की नीति
   ख) ऑस्ट्रेलिया की हिन्द–महासागर रिम (RIM) संगठन नीति का विश्लेषण कीजिए।

8. क) आर्थिक पुर्ननिर्माण की ऑस्ट्रेलिया की नीति
   ख) पूर्वी तिमोर और ऑस्ट्रेलिया तथा इंडोनेशिया के मध्य संबंध

9. क) परमाणु हथियारों की दौड़ पर ऑस्ट्रेलिया का दृष्टिकोण
   ख) ऑस्ट्रेलिया और विश्व व्यापार संगठन

10. क) ऑस्ट्रेलिया की यूरेनियम निर्यात नीति
    ख) ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति के बदलते रुझान

सतत् विकास : मुद्दे एवं चुनौतियां (एमईडी–002)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमईडी–002/2022-2023
पूर्णांकः 100

नोटः यह सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अंक दायीं ओर कोष्ठक में दर्शाए गए हैं।
कृपया अपने शब्दों में उत्तर दें; पाठ्यक्रम सामग्री से नकल न करें।

---

1. उन प्रमुख मुद्दों और चुनौतियों की व्याख्या कीजिए जो सतत् विकास का सामना करती हैं? अपने उत्तर को उपयुक्त उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए। (10)

2. औद्योगीकरण में गैर–टिकाऊ विकास से नुकसान की चर्चा कीजिए। उन्हें दूर करने की विधियों का वर्णन कीजिए। (10)

3. अंतर–पीढ़ीगत (inter-generational) और अंतः–पीढ़ीगत (intra-generational) समानता तथा न्याय के बीच उपयुक्त उदाहरणों सहित अंतर स्पष्ट कीजिए। उदाहरण देकर चर्चा कीजिए कि लैंगिक असमानता कैसे पर्यावरण संरक्षण और सतत् विकास में बाधा बन सकती है। (10)

4. प्राकृतिक संसाधनों का सतत् उपयोग, सतत् विकास को प्राप्त करने में कैसे मदद कर सकता है? विस्तापूर्वक वर्णन कीजिए। (10)

5. पर्यावरण से संबंधित विभिन्न क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा कीजिए। सतत् विकास को प्राप्त करने के लिए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में की गई पहलों का आंकलन कीजिए। (10)

6. असमानता को दूर करने के लिए विभिन्न राज्जीय विकास पहलों और स्थानीय विकास पहलों का वर्णन कीजिए। उपयुक्त उदाहरणों द्वारा अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए। (10)

7. निम्नलिखित को लगभग 250 शब्दों में समझाइएः (5•4=20)
   (क) सतत् विकास पर समुदाय–आधारित नागरिक समाज की पहल
   (ख) सतत् विकास के लिए, वैज्ञानिक और पारंपरिक ज्ञान का एकीकरण
   (ग) सतत् कृषि पद्धतियां
   (घ) जल और ऊर्जा संसाधनों के सतत् विकास में अभिनव(innovative) प्रयास

8. निम्नलिखित में से प्रत्येक को लगभग 250 शब्दों में समझाइएः (5•4=20)
   (क) सहकारिता और सतत् विकास
   (ख) सतत् आजीविका
   (ग) पर्यावरण की बेहतरी की दिशा में दक्षिण–एशियाई देशों की पहल
   (घ) सतत् और गैर–टिकाऊ गतिविधियां

भूमण्डलीकरण और पर्यावरण (एमईडी–008)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमईडी–008/2022-2023
पूर्णांकः 100

नोटः यह सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अंक दायीं ओर कोष्ठक में दर्शाए गए हैं।
कृपया अपने शब्दों में उत्तर दें; पाठ्यक्रम सामग्री से नकल न करें।

---

1. वैश्विक जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक तापन (warming) के प्रभावों की व्याख्या कीजिए। (5)
2. बाढ़ को परिभाषित कीजिए। बाढ़ का कारण बनने वाले, कम से कम चार कारकों को सूचीबद्ध कीजिए। (5)
3. आकस्मिक आपदाओं और घातक आपदाओं में अंतर स्पष्ट कीजिए। प्रत्येक के लिए एक–एक उदाहरण दीजिए। (5)
4. आर्थिक वैश्वीकरण में बहुराष्ट्रीय कंपनियों और अंर्तराष्ट्रीय कंपनियों की भूमिका पर चर्चा कीजिए। (5)
5. वैश्विक पर्यावरणीय सुगमता क्या है? इसके संचालन के चार क्षेत्रों का उल्लेख कीजिए। (5)
6. अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय कानूनों के किन्हीं चार सामान्य सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए। (5)
7. व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार से पर्यावरण, विश्व बैंक का एक महत्वपूर्ण एजेंडा है। (5)
8. जैव–विविधता पर किन्हीं पांच बहुपक्षीय पहलों को सूचीबद्ध कीजिए। (5)
9. दक्षिण एशिया के पर्यावरणीय सरोकारों की सामान्य चर्चा कीजिए। (5)
10. भारत के वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए की गई विभिन्न पहलों की चर्चा कीजिए। (5)
11. उन घटनाओं पर चर्चा कीजिए जब गैर–सरकारी संगठनों ने सामाजिक–राजनीतिक आंदोलनों का विरोध किया है। (5)
12. चिल्का बचाओ आंदोलन की मुख्य विशेषताओं की चर्चा कीजिए। (5)
13. गरीब भारतीय किसानों द्वारा बीज के लिए आत्महत्याओं से संबंधित विवाद की व्याख्या कीजिए। (5)
14. पारितंत्रों की 'वहनीय क्षमता' से क्या तात्पर्य है? जैव–विविधता पर खतरे से संबंधित कुछ तथ्यों का उल्लेख कीजिए। (5)
15. सतत् खाद्य सुरक्षा संकेतक क्या हैं? (5)
16. सूक्ष्म पोषक तत्व क्या हैं? सूक्ष्म पोषक तत्व की कमी से संबंधित किसी रोग का वर्णन कीजिए। (5)
17. पर्यावरणीय रूप से ध्वनि प्रौद्योगिकियों (ईएसटी) की पांच विशेषताओं की सूची बनाइये। (5)
18. 'हरित व्यवसाय' के पीछे क्या अवधारणा है? (5)
19. उन दो घटनाओं का संदर्भ दीजिए जिनके दौरान भारतीय न्यायपालिका ने पर्यावरण की रक्षा करने में सकारात्मक भूमिका निभाई है। (5)
20. ''स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार मानव अधिकार का एक अविभाज्य अंग है''। इस कथन की व्याख्या कीजिए। (5)

गाँधी के राजनीतिक विचार (एम.जी.पी.–004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड :एएसएसटी/एमजीपी–004/2022–2023
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – 1

1. संरचनात्मक हिंसा पर गांधीवादी दृष्टिकोण क्या है? समाज में संरचनात्मक हिंसा का क्या प्रभाव है? व्याख्या कीजिए।

2. विचारधारा क्या है? समाजवाद और साम्यवाद पर गांधी की आलोचना की व्याख्या कीजिए।

3. अधिनायकवादी राज्य पर गांधी का क्या विचार था और उन्होंने फासीवाद का विरोध क्यों किया? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद के बीच अंतर कीजिए। गांधी का, इसके प्रति क्या दृष्टिकोण था? समझाइये।

5. शक्ति की अवधारणा का वर्णन कीजिए। गांधी ने आध्यात्मिक राजनीतिक जीवन का सुझाव क्यों दिया? विस्तारपूर्वक समझाइये।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) ब्रिटिश संस्थाओं की, गांधी द्वारा प्रशंसा करने के क्या कारण हैं?
   ख) राजनीतिक स्वतंत्रता के आर्थिक आधार पर गांधी के विचार

7. क) नागरिकता पर गांधी के दृष्टिकोण का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
   ख) गांधी पश्चिमी औद्योगीकरण के बजाय ग्रामस्वराज के पक्षधर क्यों रहे हैं?

8. क) राष्ट्रवाद और भारत पर गांधी के विचारों का वर्णन कीजिए।
   ख) महिलाओं के अधिकारों पर गांधीवादी विचार

9. क) सत्याग्रह और स्वराज का वर्णन कीजिए।
   ख) साध्य और साधनों के महत्व पर गांधी के विचारों का परीक्षण कीजिए।

10. क) जाति और नस्लीय समानता के प्रति गांधी का दृष्टिकोण
    ख) अराजकतावादी समाज में अधिकार

गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन (एम.जी.पी.ई.–007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड :एएसएसटी/एमजीपी–007/2022–2023
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – 1

1. भारत में शांति आंदोलनों में, नेतृत्व की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

2. सैद्धांतिक और सामरिक अहिंसक आंदोलनों के बीच दृष्टान्त सहित अंतर कीजिए।

3. गांधी ने पारिस्थितिकी सुरक्षा को किस प्रकार से परिभाषित किया? समझाइये।

4. आचार्य विनोबा भावे द्वारा प्रतिपादित भूदान आंदोलन की चर्चा कीजिए।

5. टिहरी बचाओ आंदोलन और हिमालयी क्षेत्र को बचाने के लिए उसके अहिंसक संघर्ष का परीक्षण कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) जे. पी. आंदोलन
   ख) शराब और अपराध

7. क) रंगभेद प्रणाली को परिभाषित कीजिए।
   ख) पारिस्थितिकी–नारीवादी आंदोलन

8. क) नया किसान आंदोलन
   ख) चिपको आंदोलन

9. क) नर्मदा बचाओ आंदोलन
   ख) प्लेचीमाडा (Plachimada) अभियान

10. क) नागरिक अधिकारों की अवधारणा का अर्थ और महत्व
    ख) भारत की राष्ट्रीय जल संरक्षण नीति, 2002

शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण (एम.जी.पी.ई.–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/एमजीपीई–008/2022–2023
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – 1

1. शांति अध्ययन के लिए, विभिन्न दृष्टिकोणों का आलोचनात्मक वर्णन कीजिए।

2. हथियारों की दौड़ क्या है? यह किस प्रकार से वैश्विक शांति को प्रभावित कर रही है? समझाइये।

3. कानूनी, सामाजिक और औद्योगिक संघर्षों पर गाधीवादी दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।

4. गांधी के दृष्टिकोण में लोकतंत्र का आधार क्या है? चर्चा कीजिए।

5. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद शांति आंदोलनों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) गाधीवादी सिद्धान्तों को संयुक्त राष्ट्र संघ की मान्यता
   ख) विभिन्न प्रकार की अहिंसक कार्यविधियाँ

7. क) शांति के प्रति नारीवादी दृष्टिकोण
   ख) चिपको आंदोलन

8. क) संघर्ष के कारण
   ख) औद्योगिकीय संघर्ष पर गाँधी के विचार

9. क) विश्व मे नोबेल पुरूस्कार का महत्व
   ख) शांति के प्रमुख उपायों की व्याख्या कीजिए।

10. क) सेवा (SEWA) और समाज में महिलाओं की स्थिति पर इसका प्रभाव
    ख) म्यांमार में संघर्ष समाधान में गांधी की प्रासंगिकता

संघर्ष प्रबन्धन, परिवर्तन और शांति निर्माण (एम.जी.पी.ई.–010)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/एमजीपीई–010/2022–2023
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – 1

1. गांधी के लिए, अस्पृश्यता उन्मूलन, एक प्रमुख लक्ष्य क्यों है? अस्पृश्यता को दूर करने के लिए उन्होंने कौन से कदम उठाए? वर्णन कीजिए।

2. संघर्ष परिवर्तन के अहिंसात्मक दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।

3. सांस्कृतिक संदर्भ में, संघर्ष प्रबंधन की अवधारणा का परीक्षण कीजिए।

4. दक्षिण अफ्रीका में गांधी के नेतृत्व में चलाए गए सत्याग्रह अभियानों की चर्चा कीजिए।

5. पंजाब में आतंकवाद के मुख्य कारण क्या थे? व्याख्या कीजिए।

भाग–2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में भारत की भूमिका
   ख) गाँधी की आधुनिक सभ्यता की आलोचना

7. क) चंपारण सत्याग्रह
   ख) गांधी द्वारा प्रतिपादित ट्रस्टीशिप का विचार

8. क) संघर्ष प्रबंधन के लिए दृष्टिकोण
   ख) संघर्ष के बाद पुनर्निर्माण

9. क) शांति निर्माण के मुख्य लक्षण
   ख) गांधी का स्वराज का विचार

10. क) संघर्ष प्रबंधन के सामाजिक और पर्यावरणीय आयाम
    ख) संघर्ष के बाद, श्रीलंका के पुनर्निर्माण और पुनर्वास प्रयासों में गैर–सरकारी संगठनों की भूमिका

मानव सुरक्षा (एम.जी.पी.ई.–011)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/एमजीपीई–011/2022–2023
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – 1

1. मानव सुरक्षा और शांति निर्माण के बीच संबंधों का परीक्षण कीजिए।

2. मानव सुरक्षा के गांधीवादी दृष्टिकोण का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

3. राज्य प्रयोजित हिंसा से आप क्या समझते हैं? राज्य प्रयोजित हिंसा के सिद्धांत और प्रकार क्या हैं? वर्णन कीजिए।

4. ग्लोबल वार्मिंग के क्या प्रभाव हैं? विकास पर, इसके क्या प्रभाव हैं? व्याख्या कीजिए।

5. भारत में बाल श्रम की समस्या की विवेचना कीजिए। उनके सशक्तिकरण के लिए चल रहे उपायों की चर्चा कीजिए।

भाग –2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) मानव सुरक्षा और विकास
   ख) बंधुआ मजदूर को सशक्त बनाना

7. क) लिंग भेदभाव, बाल और प्रवासी श्रम
   ख) जैविक खेती

8. क) संरचनात्मक हिंसा के रूप में गरीबी
   ख) सार्वभौमिक मानव अधिकारों की 1948 की घोषणा

9. क) सशस्त्र संघर्ष में नागरिक
   ख) खाद्य सुरक्षा और उसका महत्व

10. क) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए गांधीवादी दृष्टिकोण
    ख) परम्परागत सुरक्षा और मानव सुरक्षा के बीच अन्तर बताइए।

नागरिक समाज, राजनैतिक शासन और संघर्ष (एम.जी.पी.ई.–013)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/एमजीपीई–013/2022–2023
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – 1

1. गांधी ने सम्पूर्ण शक्तिशाली राज्य की अवधारणा को क्यों खारिज कर दिया? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. मानवाधिकारों का सार्वभौम घोषणापत्र (UDHR) क्या है? मानवाधिकार शिक्षा आज क्यों महत्वपूर्ण है? वर्णन कीजिए।

3. वैश्विक शांति के लिए काम कर रहे, विभिन्न वैश्विक संगठनों की गतिविधियों का वर्णन कीजिए।

4. प्रतिरोध और विरोध की पद्धतियों का विश्लेषण कीजिए।

5. विभिन्न प्रकार की राजनीतिक व्यवस्थाओं का परीक्षण कीजिए। समझाइये कि लोग, लोकतंत्र को क्यों पसंद करते हैं?

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) ग्राम्शी का राज्य और नागरिक समाज का सिद्धांत
   ख) शांति की संस्कृति

7. क) वैश्विक शांति आंदोलन
   ख) कल्याणकारी राज्य की अवधारणा

8. क) नागरिक समाज संगठनों की जवाबदेही का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
   ख) डिजिटल अवसर क्या हैं? डिजिटल इंडिया पर इसके प्रभावों का परीक्षण कीजिए।

9. क) फिलिस्तीन का प्रतिरोधी आंदोलन
   ख) नव–उदार वैश्वीकरण और नागरिक समाज

10. क) अल्बानिया का साम्यवादी आंदोलन
    ख) अधिकारों पर अंग्रेजों का विधेयक (द इंग्लिश बिल ऑफ राइट) (1689)